

#### असाधारण

## **EXTRAORDINARY**

भाग II—खण्ड 3—उपसम्ह (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार सं प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

**H**o 216}

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 24, 1977 ज्यैष्ठ 3, 18 🛮 9

No. 216]

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 24, 1977 JYAISTHA 3, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या ही जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रक्का का बाई । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Office of the Controller of Capital Issues)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th May 1977

8.0. 366(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 12 of the Capital Issues (Control) Act, 1947 (29 of 1947), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Capital Issues (Applications for Consent) Rules, 1966, namely:

- 1. (i) These rules may be called the Capital Issues (application for Consent) (Amendment) Rules, 1977.
  - (ii) They shall come into force or the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Capital Issues (Application for Consent) Rules, 1966, in pule 4, for sub-rules (2) and (3), the following sub-rule shall, be substituted, namely:—
  - "(2) The amount specified in column (2) of the Table below sub-rule (1) shall be tendered to the Office of the Controller of Capital Issues, in the form of a Demand Draft on State Bank of India, Central Secretariat Branch, New Delhi, in favour of the Controller of Capital Issues. Ministry of Finance, New Delhi. The Demand Draft shall be crossed as "Account Payee Only".

INo. S.10(1)-CCI(II)/771

A. V. GANESAN, Controller of Capital Issues.

### वित्त मंत्रासय

## (झाँविक कार्म विभाग)

# (पूँधी निर्ममन नियंत्रक कार्यालय)

<u>भ्राप्तगुच्</u>यता

नई दिल्ली, 24 मई, 1977

का० था० 366 (ग्र) — हन्द्रीय सरकार पूजो निर्गमन (नियंत्रण) श्रधिनियम 1947 (1947 का 29) की धारा 12 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए, पूजी निर्गमन (ग्रभिस्वीकृति के लिए प्रावेदन-पद्म) नियम 1966 में भीर श्रागे सन्नोधन करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है शर्थात:—

- (i) इन नियमों का नाम पूंजी निर्गमन (श्रिभिस्वीकृति के लिए श्रावेदन) (संशोधन)
  नियम 1977 हैं ।
  - (ii) ये राजपत्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. पूजी निर्गमन (भिभस्वीकृति के लिए भावेदन) नियम, 1966 में नियम 4 में, उप-नियम (2) शौर (3) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखे जाएंगे, प्रथित :—
  - "(2) उप-नियम (1) के नीचे की सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्विष्ट रकम एक मांगपत के रूप में पूजी निर्गमन नियतक कार्यालय को भेजी जाएगी जिस पर प्राप्तकर्ती के रूप में पूजी निर्गमन नियतक, वित्त मंत्रालय का नाम भीर संदायकर्ता के रूप में भारतीय स्टेट बैंक, केन्द्रीय सचिवालय शाखा, नई दिल्ली का नाम लिखा जाएगा। मांग पत्न किवल प्राप्तकर्ता खाता के रूप में अभस किया जाएगा। "

सिं एस 10(1)-सी असी अग्राई (II)/77] ए० वी० मणेमन, पंजी निमम नियंतक 1